प्रेस विज्ञप्ति

हरिद्वार 20 मार्च। जगत के इतिहास में समग्र मानवता के उद्धार, प्रगति एवं विकास के लिए सन्त महात्माओं ने स्वयं को आध्यात्मिक शक्तियों से सम्पन्न किया एवं सारे विश्व में आध्यात्मिकता की पताका पहराई। सन्त महात्मा एवं महान विभूतियां का परमात्मा की अद्भूत रचना के बीच सदा ही सम्मानिय स्थान रहता है समस्त सांसारिक सत्ताओं द्वारा भी सन्त महात्माओं को सराहा और सम्मानित किया गया है। सन्त महात्माओं ने सदज्ञान प्रकाश एवं सदगुण दान देकर त्याग, तपस्या, सेवा, सादगी, समर्पणता और पवित्रता का ज्ञान पिलाकर संसार में नैतिकता को जीवित रखा है इसके लिए सम्पूर्ण मानवता सन्त महात्माओं की सदा ही कृत्यज्ञ रहेगी।

नैतिक मूल्यों के अकालग्रस्थ समाज में आज भी सन्तजनों के प्रति अपार आदरसत्कार है। आध्यात्म विभूतियां देशकाल की परिधि से ऊपर होती है फिर भी भारत वर्ष ने विश्व गुरू बन जगत को मार्ग दिखाया है। यह उदगार 98वें वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी जी (मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारीज़ आबू पर्वत) ने विशिष्ट सन्त सम्मेलन के उपलक्ष्य में आज भारत सेवाश्रम के सभागार में व्यक्त किये।

विशिष्ट सन्त सम्मेलन में पधारे महामण्डलेश्वर स्वामी विवेकानन्द जी (श्री भगवतधाम हरिद्वार) ने कहा कि गीता ही एक ऐसा शास्त्र है जो सारे विश्व को एक सूत्र में पिरोकर जीवन जीने की कला सिखलाता है। उन्होने आगे कहा कि ये ब्रह्माकुमारी बहने अपने जीवन में गीता ज्ञान को उतारकर इस ईश्वरीय ज्ञान को चहू दिशाओं में फैला रही है। मैं इनका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ।

इस अवसर पर पधारे श्री महन्त ज्ञानदेव सिंह जी (अध्यक्ष निर्मल अखाडा हरिद्वार) ने कहा कि राजयोगिनी दादी जी का सम्बन्ध हमारे पूर्वजों के साथ रहा है क्योंकि आपने श्री गुरूग्रन्थ साहिब का बचपन में अध्ययन किया है उसी का परिणाम है कि आज दादी का जीवन आध्यात्मिक विभूति के रूप में प्रख्यात है। मैं हरिद्वार शहर में पधारे दादी जी का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ।

महामण्डलेश्वर स्वामी भगवान दास जी (अध्यक्ष श्रीरामानन्द आश्रम महापीठ हरिद्वार) ने कहा कि यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय जीवन जीने की कला सिखलाता है। मैं माउण्ट आबू से पधारी दादी जी से अनुरोध करना चाहता हूँ कि इस तरह का सम्मेलन हर वर्ष कुम्भ नगरी हरिद्वार में होता रहे। और हम सब मिल बैठकर के समाज की जो ज्वलन्त समस्याएं है उनका समाधान ढूंढ सके।

इस अवसर पर पधारे श्री महन्त स्वामी रविन्द्रपुरी जी (अध्यक्ष श्री पंचायती महानिर्वाणीय अखाडा हरिद्वार) ने कहा कि विशिष्ट सन्त सम्मेलन में उपस्थित स्वेत वस्त्रधारिणी ब्रह्माकुमारी बहनें देवी के समान है। मैं इन देवियों के चरणों में कोटि–कोटि अभिनन्दन करता हूँ।

इस अवसर पर सन्त दर्शन सिंह जी त्यागमूर्ति (अध्यक्ष षडदर्शन साधू समाज) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है कि आदरणीय दादी जी 98 वर्ष की हो गयी है। मैं सभी सन्त महात्माओं की तरफ से अनुरोध करना चाहता हूँ कि दादी जी आपका सतायु समारोह हरिद्वार में मनाया जाये।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त सेक्रेटरी जनरल राजयोगी ब्रह्माकुमार ब्रजमोहन जी ने गीता के गुहृय रहस्यों पर अपने विचार व्यक्त किये।

राजयोगी ब्रह्माकुमार अमीर चन्द जी, (प्रभारी उत्तर भारत ब्रह्माकुमारीज़) ने सभी को धन्यवाद किया।